Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to set up an All India Institute of Speech and Hearing.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर): मैं आपके माध्मय से सदन और सरकार का ध्यान देश एवं प्रदेश के लिए दिव्यांग जनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ स्पीच एवं हियरिंग की स्थापना की ओर आकृट करना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

मूक बधिरों एवं दिव्यांग जनों के इलाज की कोई उचित व्यवस्था देश और प्रदेश में नहीं है, जिसके कारण न जाने कितने दिव्यांग आज भी अपनी दिव्यांगता को कोसते हुए लाचारी की जिंदगी जीने को तरसते हैं। ...(व्यवधान) देश के दिव्यांग जनों की ऐसी दशा को देखते हुए मैंने माननीय मंत्री जी से ऑल इंडिया स्पीच इंस्टीट्यूट ऑफ हियरिंग की स्थापना कराए जाने के लिए आग्रह किया था। इस संबंध में कानपुर नगर ने कई पत्रों द्वारा कानपुर महानगर प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा और जिलाधिकारी द्वारा 20 एकड़ जमीन की मांग की थी और वह जमीन उपलब्ध करा दी गई है। ...(व्यवधान)

(*At this stage, Shri M.I. Shanavas and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

मैं इस संबंध में लगातार भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर स्पीच एंड हियरिंग कॉलेज की स्थापना के लिए मांग कर रहा हूं। ...(व्यवधान) यह बहुत महत्वपूर्ण विाय है। मेरा आपसे निवेदन है कि इसका संज्ञान लेते हुए जल्दी से जल्दी सरकर को निर्देश करने की कृपा करें और स्पीच एंड हियरिंग विद्यालय खोलने की शासन स्तर से व्यवस्था कराएं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

कुँवर पुपेन्द्र सिंह चन्देल को श्री देवेन्द्र सिंह भोले द्वारा उठाए गए विाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सुदीप जी, एक ही विाय बार-बार नहीं उठाना है।

...(व्यवधान)

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): मैं दो मिनट में अपनी बात कहूंगा।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है।

...(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Madam, Rahul Gandhi Ji is the Leader of the largest Opposition Party of the country. I think there should be no 'ifs' and 'buts' and questions.

HON. SPEAKER: Nobody is saying that.

(At this stage, Shri M.I. Shanavas and some other hon. Members went back to their seats.)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : That attack upon him, no doubt, is highly condemnable. It is disgraceful also. Everybody should condemn it. What we feel is that this is reflection of intolerance which is there in the society.

If one political leader goes to campaign or for any party work, why should he not be allowed to function properly? I think, Rajnathji has said this and I would also request Rahulji to always move with the cover of SPG Forces. His life is more important to all of us. This aspect has also to be taken care of very carefully. किसी के ऊपर पत्थर फेंकना, nobody can give any signal or support. So, let the House condemn the incident all out, and his life should be protected properly.

HON. SPEAKER: Shri Ajay Misra.

… (*Interruptions*)